

*nem Andern kommt, MĀKĪ. 8, 18. कलत्रात् 20. मृग्याः (v. l. मृग्या) परिभवेव्याघ्रामित्यवेदि त्रया कृतम् RAGH. 12, 27. रत्नः ° eine Beleidigung für 42. स्थानं परं परिभवस्य BHART. 3, 75 (nach der richtigen Lesart). Spr. 770. 1145. °पद MEGH. 35. MĀLAV. 69, 5. प्रायो मूर्खः परिभवविधौ नाभिमानं तनोति Spr. 1233. RĪĀA - TAR. 6, 282. Spr. 128. BHĪG. P. 3, 9, 6. PAÑĀT. 82, 12. 18. 210, 24. 211, 3. ed. ORN. 47, 7. °पदं याति HIT. I, 167. परिभवास्पदम् VIKR. 69, 9. MĀK. P. 23, 14. 69, 10. Spr. 43. कृतमुपउन ° KULL. zu M. 8, 93. स्वयं प्राप्ते परिभवा भवति was von selbst kommt, achtet man nicht, MBH. 13, 3864. वेदानाम् 12, 2971. — Vgl. परिभाव.*

परिभवन (wie eben) n. dass.: न मो समानविद्यतया परिभवनमवगमित्युमर्कसि MĀLAV. 14, 2.

परिभवनीय (wie eben) adj. der beleidigt —, gekränkt —, gedemüthigt werden kann: शश्वदपरिभवनीयौ भविष्यतः सकलवैरिर्वर्गस्य KĀTĪAS. 45, 408.

परिभविन् (wie eben) adj. beleidigend, kränkend, Geringschätzung an den Tag legend, Jmde spottend P. 3, 2, 157. gaṇa प्रकृदि zu P. 3, 1, 134. तेजोभिर्गतीभृता परिभवो Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 503, Çl. 7. — Vgl. परिभविन्.

परिभाव m. = परिभव P. 3, 3, 55. AK. 1, 1, 7, 22. H. 441. परिभाव BHAR. zu AK. ÇKDR.

परिभावन (wie eben) n. das Zusammenhalten: पांशुभस्मकरीषाणां यथा वै राशयश्चिताः । सकृसा वारिणा सिक्ता न याति परिभावनम् ॥ MBH. 12, 7145. fg. Wie die Bedeutung zeigt, geht das Wort nicht auf das caus. zurück: das Versmaass erforderte eine Länge.

परिभावन् (wie eben) adj. = परिभविन् gaṇa प्रकृदि zu P. 3, 1, 134. अतिथिपरिभाविनि (voc. fem.) ÇĀK. 44, 12. परिभावीनि ताराणाम् — उद्भासीनि ज्ञेयानि der Sterne spottend BHART. 6, 74. वैद्यपत्नपरिभाविने (so die Corrigg., die Calc. Ausg. °भाविणो, wie der St. Text) गदम् eine Krankheit, die aller Anstrengungen der Aerzte spottet, RAGH. 19, 53.

परिभाषण (von भाष् mit परि) 1) adj. viel redend: ष ° R. 5, 93, 6. — 2) n. a) das Sprechen, Plaudern, Gespräch: = प्रसलपन H. an. 5, 14. = आलाप VIÇVA im ÇKDR. = निदेश H. an. 3, 722. — b) eine Zurechtweisung, admonitio AK. 1, 1, 5, 15. H. 274. MED. p. 114. P. 3, 4, 8, Sch. M. 9, 283. MBH. 14, 1028. — c) = नियम H. an. MED. Regel WILS.

परिभाषणीय (wie eben) adj. zurechtweisen, admonendus KULL. zu M. 9, 283.

परिभाषा (wie eben) f. 1) Rede, Worte MBH. 13, 7417. BHĪG. P. 5, 2, 17. 10, 15. — 2) Tadel VJUTP. 73. 164. — 3) eine allgemeine Bestimmung, die durchweg Geltung hat, TRIK. 3, 2, 25. 1, 1, 3. कालोपसर्जनयोः KĀÇ. zu P. 1, 2, 57. अत्रमदिनक्षययोः Verz. d. Oxf. H. 86, b, 2. सूक्ताः सुपरिभाषाश्च VĪJU-P. in Verz. d. Oxf. H. 47, a, 11 v. u. धर्मस्य स्वतंत्रं प्रमाणं परिभाषां चोक्त्वा इदानीं धर्मानुष्ठानयोग्यदेशान् KULL. zu M. 2, 17. एतत्सकलव्यवहारसाधारणं परिभाषात्मकमुक्तम् 8, 46. Verz. d. B. H. 282, 32. Ind. St. 1, 82. यज्ञपरिभाषासूत्राणि Z. d. d. m. G. 9, XLIII. Ueber die grammatischen Paribhāshā s. BÖHTL. in der Einl. zu P. II, LI. fg. und GOLD. in der Einl. zu MĀK. 106. fgg. Schol. zu VS. PAÑĀT. 1, 33. 4, 128. Ind. St. 4, 336. न खलु प्रतिकृत्यते कुतश्चित्परिभाषेव (इका गुणवद्धी [P. 1, 1, 8] इत्यादिका परिभाषा Schol.) गरीयसी यदाज्ञा ÇIÇ. 16, 80. परिभाषावृत्ति, लघुपरिभाषावृत्ति, परिभाषार्थसं-  
IV. Theil.

प्रकृ, परिभाषार्थसंग्रहव्याख्याचन्द्रिका, परिभाषेन्दुशेखर, परिभाषेन्दुशेखरकाशिका und पाणिनिमतानुगामिनी परिभाषा Titel von Schriften, die über die grammatischen Paribhāshā handeln, COLBA. Misc. Ess. II. 14. 41. GOLD. a. a. O. Verz. d. Oxf. H. No. 353. fg. — Vgl. परिभाषिक.

परिभाषिन् (wie eben) adj. redend: असत्य ° R. 3, 35, 60.

परिभू (1. भू mit परि) adj. umgebend, umfassend, zusammenhaltend; rings sich erstreckend, durchdringend; überlegen, lenkend, leitend: अग्ने निमिर्रा इव देवास्त्वं परिभूरसि RV. 5, 13, 6. 10, 12, 2. अग्ने यं पशुमधरं विश्वतः परिभूरसि 1, 1, 4. 3, 3, 10. 1, 52, 12. 97, 6. 2, 24, 11. परिभुवः परि भवति विश्वतः 1, 164, 36. अग्ने केशरं परिभूतं मतिम् 10, 91, 8. AV. 3, 21, 4. 4, 25, 1. 13, 2, 10. ये ते अग्ने शिवे तन्वो विभूश्च परिभूश्च TBa. 1, 1, 2, 3. TS. 3, 2, 2. 1. 4, 4, 9, 1. कविर्मनीषी परिभूः स्वयंभूर्यायातय्यतो ऽर्थान्व्यधाच्छाश्वतीभ्यः समाभ्यः IÇOP. 8.

परिभूति (von 1. भू mit परि) f. 1) überlegene Kraft: त्रीणि ये येमुर्विदधानि धीतिभिर्विदधानि परिभूतिभिः RV. 7, 66, 10. — 2) Kränkung, Demüthigung, Erniedrigung, an den Tag gelegte Geringschätzung (vgl. परिभव): परिभूतेः परं पदम् — दैर्गत्यकलुषीकृतः Spr. 1249. अत्यत्तमृडता न कस्य परिभूतेषु KĀTĪAS. 26, 233.

परिभूषण (von भूष् mit परि) m. (sc. संधि) ein durch Abtretung aller Landeserbkünfte erkaufte Friede KĪM. NITIS. 9, 18. 3. — Vgl. परिभूषण.

परिभेदक (von भिद् mit परि) adj. durchbrechend: यज्ञात्वा योगिनः सर्वे षट्क्रपरिभेदकाः Verz. d. Oxf. H. 89, b, 24.

परिभोक्तृ (von भुञ् भुनक्ति mit परि) nom. ag. 1) Geniesser: मरुतो हिरण्यसुवर्णधनधान्यकोषकोष्ठागारस्य SADDH. P. 4, 14, a. — 2) der einen Andern ausbeutet, auf eines Andern Kosten lebt M. 2, 201.

परिभोग (wie eben) m. Genuss (VJUTP. 171), insbes. der eheliche Genuss: सुवृत्तामसुवृत्तां वाप्यहं त्वामद्य मैथिलि । नोत्सहं परिभोगाय श्चावलीढं कृविप्यथा ॥ MBH. 3, 16543. RAGH. 4, 45. 11, 52. 19, 21. 28. 80. VARĀH. BH. S. 104, 24. Mittel zum Genuss: तथैव दत्त्वा विप्रेभ्यः परिभोगान्मुषुकलान् MBH. 9, 2146.

परिभ्रंश (von भ्रंष् mit परि) m. das Entwischen: शत्रु ° HARIV. 5285.

परिभ्रंशन (wie eben) n. das Verlustiggehen: नलस्य नृपते राज्यात्परिभ्रंशनम् PAÑĀT. III, 268.

परिभ्रम (von भ्रम् mit परि) 1) adj. f. आ umherfliegend; s. खे °. — 2) m. Umschweif, nicht zur Sache gehörige Reden: अलमनेन परिषत्कुतूहलविमर्दकारिणा परिभ्रमेण MĀKĪ. 1, 9; in andern Dramen steht dafür einfach अलमतिविस्तेरा.

परिभ्रमण (wie eben) n. 1) das Umlaufen, Umdrehung: रथचरण ° BHĪG. P. 5, 8, 6. MALLIN. zu KĪR. 4, 16. — 2) Umkreis SŪRAS. 12, 90.

1. परिमण्डल (प + म °) n. Umkreis MBH. 12, 7696. 14, 1236. BHĪG. P. 5, 21, 19. 26, 14. KULL. zu M. 7, 188. — Vgl. न्यग्रोध °.

2. परिमण्डल (wie eben) 1) adj. f. आ rund, kreisförmig, kugelförmig P. 6, 2, 182, Sch. H. 1467. VJUTP. 57. ÇAT. Br. 6, 7, 4, 2. 26. उला 7, 1, 2, 37. हृद्य 9, 1, 2, 40. 13, 8, 2, 5. चर्म परिमण्डलं स्यादित्यस्य रूपम् KĀTĪ. 34, 5. KAUC. 85. MBH. 6, 188. 204. 407. 482. R. 5, 5, 28. SUÇA. 1, 25, 7. 94, 3. 292, 18. 2, 233, 17. परिमण्डलावताभिः नाभिभिः VARĀH. BH. S. 67, 21. शिरिभिः 79. — 2) m. (sc. मशक) eine giftige Mückenart SUÇA. 2, 290, 20.

परिमण्डलता (von 2. परिमण्डल) f. Kreisförmigkeit SUÇA. 1, 268, 18.